हिन्दी संवादी कौशल

1. **ग्रहणात्मक कौशल**
   - – श्रवण
   - – पठन

2. **अभिव्यक्तात्मक कौशल**
   - – वाचन
   - – लेखन

श्रवण–

- – ध्यानपूर्वक सुनना
- – ग्रहणशीलता
- – वक्ता के मनोभावों की समझ
- – शब्दों और वाक्यों का सन्दर्भानुकूल अर्थ
- – श्रुत सामग्री के आकर्षक स्थलों की पहचान

पठन–

- – पढ़ी गई सामग्री के सही अर्थ को समझ पाना
- – पठित अंश की अपनी भाषा में अभिव्यक्ति
- – निजी संवाद के निर्माण की क्षमता
- – पठित सामग्री का सही विश्लेषण करने की क्षमता

वाचन–

- – सुश्रव्य वाणी में बोल पाना
- – उचित लय, हाव भाव, उतार–चढ़ाव
- – शब्दों की सही क्रमबद्धता की पहचान
- – सही शब्दों का चयन कर प्रभावी अभिव्यक्ति

लेखन–

- – शुद्ध वर्तनी, विराम चिन्हों का प्रयोग
- – अभिव्यक्ति हेतु सही शैली व विधि का प्रयोग
- – सृजनात्मक लेखन
- – मुहावरों, लोकोक्तियों, अलंकारों का प्रयोग

नोटः– वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों में सुधार बाद में किया जाएगा।